75th Year of Indian Army Day

Indian Army originated from armies of the East India Company and became the British Indian Army. On 15 Jan 1949, General K.M. Cariappa took charge of Indian Army as the Commander in Chief from General Sir Francis Roy Bucher, the last British Commander-In-Chief of India in 1949. This day marks the transfer of power from the British to Independent India. Since then India celebrates Army Day on 15 January every year to honor the valor, courage and sacrifice of the Indian Army and its valiant soldiers.

Since 1949, Army Day parade is organized in Delhi at Cariappa parade ground under the aegis of IHQ of Ministry of Defense (Army). In line with Prime Minister Shri Narendra Modi's vision to facilitate deeper connection with people all over the country, Army Day Parade-2023 is being organized in Bengaluru under Southern Command. Apart from the parade and equipment display, meritorious performances are awarded by Chief of Army Staff (COAS) as the chief guest of Army Day Parade.

Indian Army's dedication, righteous conduct, professional competence has been lauded by one and all. Die hard spirit of our soldiers make the Indian Army a formidable force in enemy's heart. Indian Army has fought valiantly in various wars and has also proved its mettle. Indian Army has been largest troop contributor to UN peacekeeping mission since its inception.

Indian Army is rapidly moving towards self reliance by developing and producing indigenous defence equipment within the country to achieve self reliance. Technology induction and automation in Indian Army is being adopted as a crucial component for improving defence capability and achieve military supremacy. The role of Indian Army is not limited to protection of the nation but has been instrumental in the field of sports with outstanding performances in National and International games.

The nation is at the cusp of transformative changes driven by bold policy initiatives and enabling provisions as enunciated by the Government defining a vision, roadmap and milestones which will guide our national quest for a developed and self-reliant India. It is imperative for the Indian Army to fully align and integrate with the national goals, and concurrently keep evolving in sync with contemporary and emerging security paradigms, to remain formidable, relevant and prepared for any operational contingency.

In spirit of pursuing this goal, the Indian Army is observing Year 2023 as "On Path to Transformation", to set the course for its evolution to a future ready, technology driven, lethal and agile force, which establishes itself as an iron cast pillar of national power. Indian Army's transformation strategy is based on following five key domains while ensuring Operational Preparedness to meet contemporary & emerging challenges, across the entire spectrum of conflict :-

- Modernisation and Technology Infusion.
- Force Restructuring and Optimisation.
- System, Process and Functions.
- Jointness and Integration.
- Human Resource Management.

The Indian Army is a perfect example of gender equality as it started inducting women officers in 1992 and thereafter in Feb 2020 "Permanent Commission" (PC) to Women officers belonging to the "Services" and "Combat Support Arms" was granted.

During the journey of 75 glorious years of Indian Army Day, Army establishments have created history with pride and are geared up to scale greater heights in the years to come. Hence it is befitting to commemorate this rich history of Indian Army by way of releasing a Commemorative Postage Stamp.

Department of Posts is pleased to issue Commemorative Postage Stamp on 75th Year of Indian Army Day and salutes its ever lasting traditions of valor, heroism, sacrifice and fortitude.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure	:	Ms Gulistaan
Cancellation Cachet	:	Smt. Nenu Gupta
Text	:	Based on information provided bt the proponent.



भारतीय सेना दिवस का 75वां वर्ष

भारतीय सेना ने ईस्ट इंडिया कंपनी की फौजों से आकार लेना आरंभ किया और आगे चलकर यह ब्रिटिश भारतीय सेना बनी। 15 जनवरी 1949 को, जनरल के. एम. करियप्पा ने 1949 में भारत के अंतिम ब्रिटिश कमांडर–इन–चीफ जनरल सर फ्रांसिस रॉय बुचर से कमांडर–इन–चीफ के रूप में भारतीय सेना का प्रभार संभाला। यह दिन ब्रिटेन से स्वतंत्र भारत को सत्ता के हस्तांतरण का प्रतीक है। तब से प्रत्येक वर्ष भारत द्वारा भारतीय सेना और इसके पराक्रमी सैनिकों के साहस, वीरता और बलिदान के सम्मान में 15 जनवरी को सेना दिवस के रूप में मनाया जाता है।

1949 से सेना दिवस परेड का आयोजन आई. एच. क्यू. रक्षा मंत्रालय (सेना) के तत्वावधान में दिल्ली के करियप्पा परेड ग्राउंड में किया जाता है। देशभर के लोगों के साथ गहन संबंध स्थापित करने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप सेना दिवस परेड–2023 का आयोजन दक्षिणी कमान के अंतर्गत बेंगलुरु में किया जा रहा है। इस अवसर पर परेड के आयोजन और सैन्य उपकरणों के प्रदर्शन के अतिरिक्त, सेना दिवस परेड के मुख्य अतिथि, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) द्वारा सैनिकों को उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित भी किया जाता है।

भारतीय सेना के समर्पण भाव, न्यायसंगत आचरण और प्रोफेशनल सक्षमता की सभी के द्वारा सराहना की जाती है। भारतीय सैनिकों का कभी हार न मानने का जज्बा दुश्मनों के दिलों में उनका खौफ भर देता है। भारतीय सेना ने शूरता एवं दिलेरी से अनेक युद्ध लड़ते हुए अपनी बहादुरी का लोहा मनवाया है। भारतीय सेना को संयुक्त राष्ट्र के शांति स्थापना मिशन की शुरुआत से ही सबसे बड़ी सैन्य टुकड़ी भेजने का गौरव भी हासिल है।

भारतीय सेना, आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए देश में ही रक्षा उपकरण विकसित एवं निर्मित कर तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रही है। भारतीय सेना द्वारा प्रौद्योगिकी समावेशन और ऑटोमेशन को रक्षा क्षमता बढ़ाने और सैन्य क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठता हासिल करने के लिए एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में अपनाया जा रहा है। भारतीय सेना की भूमिका राष्ट्र की सुरक्षा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेलों में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के फलस्वरूप खेलों के क्षेत्र में भी इसकी विशिष्ट पहचान है।

आज हमारा देश सरकार की साहसिक नीतिगत पहलों और उन्हें सफल बनाने वाले प्रावधानों के फलस्वरूप बड़े बदलाव के मोड़ पर है, जो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लिए हमारे राष्ट्रीय संकल्प हेतु सरकार के विजन, रोड मैप, और माइलस्टोन को दर्शाता है। भारतीय सेना के लिए यह अत्यन्त महत्वपूर्ण है कि वह राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप समन्वित रूप से कार्य करे तथा समकालीन एवं उभरती हुई सुरक्षा संबंधी परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालते हुए किसी भी प्रचालनगत आकस्मिकता से निपटने के लिए सशक्त, प्रबल एवं प्रासंगिक बल बन कर उभरे।

इस उद्देश्य की प्राप्ति की भावना से भारतीय सेना वर्ष 2023 को 'परिवर्तन पथ पर अग्रसर' के रूप में मना रही है। इसका उद्देश्य स्वयं को ऐसे बल के रूप में विकसित करना है, जो भविष्य की जरूरतों के अनुरूप सर्वथा तैयार हो, जिसका संचालन तकनीक पर आधारित हो और जो घातक होने के साथ–साथ ऐसा चुस्त दुरूस्त, सिद्ध बल हो, जो राष्ट्रीय शक्ति के सशक्त लौहस्तंभ के रूप में अपनी पहचान स्थापित करे। भारतीय सेना की परिवर्तनकारी रणनीति सभी प्रकार के युद्धों के दृष्टिगत समकालीन एवं उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी युद्धगत तैयारी को सुनिश्चित करते हुए निम्नलिखित पांच महत्वपूर्ण क्षेत्रों (डोमेन) पर केंद्रित है :–

- आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी का समावेशन।
- बल का पुनर्गठन और इष्टतमीकरण
- प्रणाली, प्रक्रिया और कार्य पद्धति
- संयुक्त और एकीकृत रूप से कार्य करने की क्षमता
- मानव संसाधन प्रबंधन

भारतीय सेना, महिला–पुरुष (जेंडर) समानता का एक बेहतरीन उदाहरण है। भारतीय सेना में 1992 से महिला अधिकारियों को शामिल करना आरंभ किया गया। इसके बाद, फरवरी, 2020 में 'सर्विसेज' और 'कॉम्बैट सपोर्ट आर्म्स' से संबंधित महिला अधिकारियों के लिए 'स्थायी कमीशन' (पीसी) मंजूर किया गया।

भारतीय सेना दिवस के शानदार 75 वर्षों की यात्रा के दौरान, सेना की इकाइयों ने गौरवशाली इतिहास रचा है और यह आने वाले वर्षों में और अधिक ऊंचाइयों को छूने के लिए तैयार किया है। अतः भारतीय सेना के समृद्ध इतिहास पर स्मारक डाक–टिकट जारी किया जाना सर्वथा उपयुक्त है।

डाक विभाग, भारतीय सेना की वीरता, साहस, बलिदान और दृढ़ संकल्प की शाश्वत परम्पराओं को सलाम करते हुए 'भारतीय सेना दिवस का 75वां वर्ष' विषय पर स्मारक डाक–टिकट जारी कर गौरव का अनुभव करता है।

आभार

डाक–टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका : सुश्री गुलिस्तां

विरूपण कैश : श्रीमती नीनू गुप्ता

पाठ : प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर आधारित

तकनीकी आंकड़े

TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	: 500 पैसे
Denomination	: 500 p
मुद्रित डाक–टिकटें	: 302005
Stamps Printed	: 302005
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00